आई एस एस एन 0971-9873

आई सी एम आर पत्रिका

वर्ष-28, अंक-11-12 नवम्बर-दिसम्बर, 2014

इस अंक में

- स्वस्थ हृदय के लिए अनुकूल परिवेश 97
- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के समाचार 99
- आई सी एम आर की वित्तीय सहायता से सम्पन्न एवं भावी संगोष्ठियां/सेमिनार/कार्यशाला/पाठ्यक्रम/सम्मेलन 101
- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन 103

संपादक मंडल

अध्यक्ष — डॉ विश्व मोहन कटोच
सचिव, भारत सरकार
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग एवं
महानिदेशक
भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद

प्रमुख, प्रकाशन एवं सूचना प्रभाग — डॉ विजय कुमार श्रीवास्तव

संपादक — डॉ कृष्णानन्द पाण्डेय

प्रकाशक — श्री जगदीश नारायण माथुर

स्वस्थ हृदय के लिए अनुकूल परिवेश

हम सभी जानते हैं कि हृद्वाहिकीय रोगों के उभरने में अतिरक्तदाब (हाइपरटेंशन), डिसलिपिडीमिया, मधुमेह और धूम्रपान जैसे कारकों की न केवल मुख्य भूमिका होती है बल्कि इनके चलते इन रोगों के लिए जिम्मेदार नए कारकों की खोज की दिशा में किए जा रहे प्रयास भी प्रभावित हो रहे हैं। हृद्वाहिकीय रोगों के लिए जिम्मेदार पर्यावरणी कारकों की संभावित भूमिका को ज्ञात करने की आवश्यकता है। कई अध्ययनों में हृद्वाहिकीय रोगों से होने वाली मौतों में वृद्धि तथा वायु वाहित सूक्ष्म कणों के बीच एक स्पष्ट कड़ी का वर्णन किया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण पूर्व एशिया और पश्चिमी पैसिफिक क्षेत्रों के निम्न तथा मध्यम आय वर्ग के देशों में वर्ष 2012 में घरेलू (इनडोर) वायु प्रदूषण के चलते 33 लाख मौतें और बाहरी वायु प्रदूषण के कारण 26 लाख मौतें दर्ज की गईं। इस बात की पुष्टि होती है कि वायु प्रदूषण संभवतः अब स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाला सबसे बड़ा संभावित खतरा बन गया है।

दीर्घकालिक प्रभाव

संयुक्त राज्य अमरीका के 6 शहरों में 8000 व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर परिवेशी वायु प्रदूषण के प्रभाव को ज्ञात करने के लिए एक अध्ययन में 14-16 वर्षों तक उनका फॉलो अप किया गया जिसमें पता चला कि बहुत कम प्रदूषित शहरों की तुलना में अति गंभीर प्रदूषित शहरों में सभी कारणों से होने वाली मौतों में 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई जिनमें हृद्वाहिकीय रोगों के कारण मौतों की संख्या सर्वाधिक थी। एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि 16 वर्ष से अधिक आयु के 5 लाख से अधिक लोगों में श्वसनी रोगों के कारण होने वाली मौतों से अधिक हृद्वाहिकीय संबद्ध रोगों से होने वाली मौतों के साथ फाइन पार्टीकुलेट्स (अति सूक्ष्म कणों) की ठोस संबद्धता पाई गई। ओज़ोन, कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड्स, सल्फर डाईऑक्साइड्स और सीसा (लेड) जैसे वायु प्रदूषकों की भी हृद्वाहिकीय रोगों के साथ संबद्धता पाई गई है।

एक अन्य बड़े अध्ययन में रजोनिवृत्ति पश्चात 65000 ऐसी महिलाओं को सम्मिलित किया गया जिनमें पहले हृद्वाहिकीय रोग की उपस्थिति नहीं थी। उनमें लम्बी अवधि तक वायु प्रदूषकों से प्रभावित रहने की स्थिति में हृद्वाहिकीय रोग की शुरुआत से जुड़े खतरे वाले संभावित कारक की संबद्धता का अध्ययन किया गया। यह पाया गया कि प्रदूषण में $10\mu g/m^3$ की दर से प्रत्येक वृद्धि पर हृद्वाहिकीय घटना, हृद्वाहिकीय रोगों से होने वाली मौतों की संख्या तथा प्रमस्तिष्कवाहिकीय घटनाओं की संख्या में काफी वृद्धि हुई थी।

लघुकालिक प्रभाव

वायु प्रदूषकों के साथ लघुकालिक प्रभाव के परिणामस्वरूप तीव्र कोरोनरी अरक्तता जैसी स्थितियों की संबद्धता पाई गई है। कुल 12,000 रोगियों पर परिवेशी अतिसूक्ष्म कणों की लघुकालिक वृद्धि के प्रभाव का अध्ययन करने पर तीव्र अरक्तता की संबद्धता पाई गई। चौंतीस अध्ययनों से मिले आंकड़ों का विश्लेषण करने पर कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन डाईऑक्साइड, सल्फर डाईऑक्साइड, और छोटे पार्टीकुलेट मैटर्स (<10 से 2.5 माइक्रॉन्स) की संबद्धता हृदपेशी रोधगलन (मायोकार्डियल इनफार्क्शन) के संभावित खतरे में वृद्धि के साथ पाई गई। हमारे परिवेश में सड़क एवं वायु यातायात से उत्पन्न ध्वनि के प्रभाव में भी हृद्वाहिकीय रोगों की संबद्धता पाई गई है। माना जाता है कि तनाव के कारण ऑटोनॉमस तंत्रिका प्रणाली के नियमन के बाधित होने की स्थिति में हाइपरटेंशन (अतिरक्तदाब) और उसके परिणामस्वरूप हृद्वाहिकीय रोग की स्थितियों में वृद्धि हो जाती है।

शरीरक्रियाविज्ञानी संबद्धता

हृद्वाहिकीय कार्यों पर पर्यावरणी विषों (टॉक्सिंस) के प्रतिकूल प्रभावों की संबद्धता स्थापित करने पर अनेक मत प्रस्तुत किए गए हैं। इनमें से कुछ प्रभाव धमनीकाठिन्य, वैसोकांस्ट्रिक्शन और हृदय गति में परिवर्तन, रक्तचाप, स्कन्दन (कॉगुलेशन), प्लेटलेट के असामान्य सक्रियण, एण्डोथीलियम के कार्य में बाधा और इन स्थितियों के परिणामस्वरूप तीव्र एवं चिरकारी स्थितियों की संबद्धता में हो सकती है।

बचाव संबंधी उपायः उपर्युक्त तथ्यों के आधार पर हृद्वाहिकीय रोगों और पर्यावरणी प्रदूषण के बीच एक अपरिवर्तनीय संबंध का पता चलता है। प्रदूषण चाहे हमारी सांस लेने वाली वायु में हो, हमारे भोजन में हो, मिट्टी में हो, जलाए जाने वाले ईंधन में हो अथवा ध्वनि में हो। यहां तक कि तनाव और हृद्वाहिकीय रोग के बढ़ने के बीच भी इसकी संबद्धता पाई गई है। हमें इन सभी संभावित खतरों के विरुद्ध निवारक उपायों को अपनाने की नितांत आवश्यकता है।

पाश्चात्य और विकसित देशों में और हृदयरोगों के लिए जिम्मेदार संभावित पर्यावरणी कारकों पर शोध कार्यों में वृद्धि हो रही है। वायु की गुणवत्ता के नियमन और प्रदूषण स्तरों के कड़ाई से अनुपालन से जीवन की उत्तरजीविता में वृद्धि और हृद्वाहिकीय रोगों के कारण होने वाली मौतों में गिरावट लाई जा सकती है।

विकासशील देशों में असंचारी रोगों के निवारण के लिए सशक्त नीति का अभाव और साथ में जागरूकता में कमी मुख्य बाधा है। निम्नलिखित कुछ सुझावों से इस दिशा में प्रगति में सहायता मिल सकती है।

(i) जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रत्येक शहर के भीड़ वाले स्थानों में वायु प्रदूषण के स्तरों को प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

(ii) लोगों को ऐसे स्थानों पर पैदल सैर करने अथवा व्यायाम करने से बचना चाहिए जहां उच्च स्तर का वायु प्रदूषण हो।

(iii) सरकार द्वारा पहले ही कम प्रदूषक उत्सर्जित करने वाले वाहनों को प्रयोग करने को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसे अनिवार्य बनाने और कड़ाई से पालन करने की आवश्यकता है।

(iv) दस्तावेजों (डॉक्यूमेंट्स), टेक्स्ट पुस्तकों और एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य कंपेंडियम में धमनीकाठिन्य से जुड़े कोरोनरी धमनी रोग के पर्यावरणी कारकों को परिवर्तनशील खतरे वाले कारकों के रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

(v) विभिन्न प्रायोजित विज्ञापनों में इस प्रकार के खतरे को उसी प्रकार स्थान दिया जाना चाहिए जैसे कि धूम्रपान और तम्बाकू के लिए किया जाता है।

(vi) मल्टीप्लेक्स सिनेमा घरों और शॉपिंग मॉल्स जैसे मनोरंजन स्थलों पर पोस्टर्स और स्लाइड्स के माध्यम से ये संदेश दिए जा सकते हैं।

(vii) स्कूल में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान नवीनकारी एवं आकर्षक कार्टूनों और चित्रों के माध्यम से संदेश को प्रदर्शित किया जा सकता है।

(viii) पर्यावरण संबंधी किसी भी भावी अध्ययन में हृद्वाहिकीय स्वास्थ्य को एक महत्वपूर्ण बिन्दु के रूप में सम्मिलित किया जाना चाहिए।

(ix) औषध उद्योग को इस पहलू को अनुसंधान और नवाचार के एक प्राथमिकता वाले क्षेत्र के रूप में अपनाने की सलाह दी जानी चाहिए।

हृदय के प्रति एक स्वस्थ परिवेश तैयार करना एक मन्द और सामूहिक प्रक्रिया है जिसका कोई तत्काल परिणाम नहीं मिल पाता। हालांकि, इसके महत्व एवं उपयोगिता के संबंध में जानकारी, जागरूकता और दृढ़ धारणा तथा अनेक लाभ हमारे वर्तमान विचारकों एवं प्रशासकों के लिए एक पर्याप्त प्रेरक होना चाहिए। सारांश में पर्यावरणी विष (टॉक्सिंस) हमारे हृद्वाहिकीय स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। ये विष हमारे परिवेश में उपस्थित वायु, जल, आहार, मिट्टी, और ईंधन के दहन के माध्यम से हमारे शरीर में पहुँचकर अन्य अंगों के साथ-साथ हृद्वाहिकीय स्वास्थ्य को भी प्रभावित करते हैं। इनसे बचाव के तरीकों को अपनाकर तथा जन-जागरूकता के माध्यम से स्वस्थ हृदय के लिए एक अनुकूल परिवेश निर्मित किया जा सकता है।

यह लेख आई सी एम आर द्वारा प्रकाशित मासिक *इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च* के सितम्बर, 2014 में प्रकाशित *"वर्ल्ड हार्ट डे - क्रिएटिंग हार्ट हेल्दी एनवाइरॉनमेंट"* शीर्षक से प्रकाशित सम्पादकीय पर आधारित है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के समाचार

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर) के विभिन्न तकनीकी दलों/समितियों की नई दिल्ली में संपन्न बैठकें:

कार्यकारी परिषद (इक्ज़ीक्यूटिव काउंसिल) की बैठक	28 अक्टूबर, 2014
गंगा सहित नदियों के बढ़ते प्रदूषण से उत्पन्न कैंसर की व्यापकता पर अध्ययन हेतु सहयोगी अनुसंधान की शुरुआत करने पर बैठक	28 अक्टूबर, 2014
नागपुर में एक राष्ट्रीय संस्थान की स्थापना के संबंध में आई सी एम आर - आई सी ए आर की संयुक्त बैठक	28 अक्टूबर, 2014
राष्ट्रीय पर्यावरणी स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, भोपाल पर बैठक	29 अक्टूबर, 2014
माइक्रोबियल रोगों पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	29-30 अक्टूबर, 2014
पेटेंट फाइलिंग हेतु भारतीय पेटेंट आवेदनों कें मूल्यांकन हेतु बैठक	30 अक्टूबर, 2014
MODY (मेच्योरिटी ऑनसेट डायबिटीज ऑफ यंग) के आनुवंशिक विश्लेषण शीर्षक की टास्क फोर्स परियोजना पर बैठक	3 नवम्बर, 2014
फेलोशिप हेतु विशेषज्ञ समूह की बैठक (बी एम एस)	10 नवम्बर, 2014
वेक्टर बोर्न डिसीज़ साइंस फोरम की परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	11 नवम्बर, 2014
वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति की विशेषज्ञ समूह की बैठक	11 नवम्बर, 2014
हृद्वाहिकीय रोग के क्षेत्र में परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	12 नवम्बर, 2014
MRU's से प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा हेतु परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	13 नवम्बर, 2014
फेलोशिप हेतु विशेषज्ञ समूह की बैठक (ई सी डी - I)	13 नवम्बर, 2014
वी डी एल तकनीकी मूल्यांकन समिति की बैठक (ई सी डी - I)	13 नवम्बर, 2014
शरीर क्रियाविज्ञान पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक (बी एम एस)	13 नवम्बर, 2014
पूर्वोत्तर में संचारी रोग अनुसंधान में आमंत्रित प्रस्तावों के अंतर्गत प्राप्त मूल प्रस्तावों की समीक्षा हेतु विशेषज्ञ समूह की बैठक	17 नवम्बर, 2014
इबोला विषाणु के प्रबंधन हेतु दिशानिर्देश तैयार करने हेतु बैठक	17 नवम्बर, 2014
पारम्परिक औषधीय पादपों पर फेलोशिप हेतु विशेषज्ञ समूह की बैठक	17 नवम्बर, 2014
ऑन लाइन एक्स्ट्राम्युरल प्री. प्रपोज़ल्स पर जांच समिति की बैठक	18 नवम्बर, 2014
जैवसूचनाविज्ञान केन्द्र की बैठक	20 नवम्बर, 2014
भेषजगुणविज्ञान में फेलोशिप विशेषज्ञ समूह की बैठक (बी एम एस)	20 नवम्बर, 2014
भारत में कोशिकाविषाक्त औषध दिशानिर्देश पर बैठक (बी एम एस)	20 नवम्बर, 2014
पर्यावरणी विषाक्तता तथा मानव स्वास्थ्य एवं पारिस्थितिकी पर इसके प्रभाव पर बैठक (एन सी डी - I)	21 नवम्बर, 2014
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग की वित्तीय अनुदान योजना के अंतर्गत प्रस्तावों की समीक्षा हेतु तकनीकी मूल्यांकन समिति की बैठक	21 नवम्बर, 2014
कोशिकीय एवं आण्विक जैविकी तथा जीनोमिक्स पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक (बी एम एस)	21 नवम्बर, 2014
चिकित्सीय भेषजगुणविज्ञान में उन्नत अनुसंधान केन्द्र हेतु विशेषज्ञ समूह की बैठक	21 नवम्बर, 2014

पूर्व चिकित्सीय अनुसंधान में वैकल्पिक परीक्षण हेतु स्वानों के प्रयोग के संबंध में बैठक	25 नवम्बर, 2014
सूक्ष्मजीवीरोधी प्रतिरोध पर बैठक (ई सी डी - II)	25 नवम्बर, 2014
MD/MS की थीसिस हेतु वित्तीय सहायता हेतु बैठक (एच आर डी)	26 नवम्बर, 2014
सामाजिक - व्यावहारिक अनुसंधान पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	27 नवम्बर, 2014
आई सी एम आर - सी आई एच आर के अंतर्गत बालकालीन स्थूलता के प्रस्ताव की वार्षिक पुनरीक्षण समिति की बैठक	27 नवम्बर, 2014
विषाणुज रोगों पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक (ई सी डी - I)	27 नवम्बर, 2014
व्यापारिक उद्देश्यों हेतु मानव जैविक सामग्री के हस्तांतरण हेतु आवेदनों के मूल्यांकन हेतु विशेषज्ञ समिति की बैठक	27 नवम्बर, 2014
हृद्वाहिकीय रोग के खतरे वाले कारकों हेतु स्कूल आधारित इंटरवेंशंस पर टास्क फोर्स समूह की बैठक (एन सी डी - II)	27 नवम्बर, 2014
प्री-एक्लैम्पसिया पर उन्नत अनुसंधान केन्द्र हेतु विशेषज्ञ समूह की बैठक (आर सी एच)	27 नवम्बर, 2014
असंचारी रोगों पर परियोजनाओं की समीक्षा हेतु विशेषज्ञ समूह की बैठक	28 नवम्बर, 2014
चिरकारी वृक्क रोग शीर्षक से टास्क फोर्स् परियोजना पर विशेषज्ञ समूह की बैठक	28 नवम्बर, 2014
फेलोशिप पर विशेषज्ञ समूह की बैठक (ई सी डी- I)	28 नवम्बर, 2014
नृविज्ञान (एंथ्रोपोलॉजी) पर राष्ट्रीय टास्क फोर्स की बैठक (बी एम एस)	28 नवम्बर, 2014
भारत - विदेश अनुसंधान परियोजना पर बैठक	1 दिसम्बर, 2014
बच्चों को सम्मिलित करते हुए जैवआयुर्विज्ञान अनुसंधान हेतु ड्राफ्ट एथिक्स गाइडलाइंस की समीक्षा हेतु राष्ट्रीय परामर्शक बैठक	1 दिसम्बर, 2014
कुष्ठरोग की चिकित्सा में क्लोफाजिमिन की भूमिका पर चर्चा करने हेतु बैठक	1 दिसम्बर, 2014
आर्थोपीडिक्स पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक (एन सी डी - I)	2 दिसम्बर, 2014
इबोला विषाणु के नैदानिक किट में नवीनतम प्रगति पर बैठक	2 दिसम्बर, 2014
ट्रामा पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	2 दिसम्बर, 2014
जापानी मस्तिष्कशोथ (JE) और रेबीज़ हेतु विषाणुरोधी उत्पाद विकास पर चर्चा करने हेतु संचालन समिति की बैठक (आई पी आर)	5 दिसम्बर, 2014
भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र (BMHRC), भोपाल के लिए भरती नियमों को तैयार करने के संबंध में बैठक	9 दिसम्बर, 2014
भ्रूणीय स्टेम कोशिका चिकित्सा पर विशेषज्ञ समूह की बैठक (बी एम एस)	10 दिसम्बर, 2014
सी आई आर ए, जापान के साथ सहयोगी गतिविधियों का पता लगाने हेतु कार्य योजना पर चर्चा करने हेतु स्टेम सेल अनुसंधान हेतु विशेषज्ञ समूह की बैठक	10 दिसम्बर, 2014
एफ जी टी बी परियोजना पर अंवेषकों की द्वितीय बैठक (आर सी एच)	10 दिसम्बर, 2014
कम आयु में मधुमेह की शुरुआत सहित भारत में मधुमेह रोगियों के पंजीकरण पर आई सी एम आर टास्क फोर्स परियोजना (द्वितीय प्रावस्था) पर विशेषज्ञ समूह की वार्षिक पुनरीक्षण बैठक	11 दिसम्बर, 2014
दिल्ली आपातकालीन जीवन हृदय घात पहल मिशन नामक परियोजना पर विशेषज्ञ समूह की बैठक	11 दिसम्बर, 2014

आई सी एम आर की वित्तीय सहायता से सम्पन्न एवं भावी संगोष्ठियां/सेमिनार/कार्यशाला/पाठ्यक्रम/सम्मेलन

विषय	दिनांक एवं समय	सम्पर्क के लिए पता
मेडिकल इंफॉर्मेटिक्स पर राष्ट्रीय सम्मेलन - 2014	30-31 अक्टूबर, 2014 नई दिल्ली	**डॉ. आशुतोष विश्वास** आयोजन सचिव मेडिसिन विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली
निओनेटोलॉजी में ज्वलंत विषयों पर सेमिनार तथा NICU में गुणवत्ता सुधार पर कार्यशाला	21-23 नवम्बर, 2014 चण्डीगढ़	**प्रो. कान्या मुखोपाध्याय** अतिरिक्त आचार्य पीडियाट्रिक्स विभाग स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान चण्डीगढ़
आयुर्विज्ञान में शोध विधियों पर कार्याशाला	24-27 नवम्बर, 2014 मुज़फ्फरपुर	**डॉ. शशी सिन्हा** आचार्य एवं विभागाध्यक्ष पी एस एम विभाग श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज मुज़फ्फरपुर
31st सम्मेलन और बिग डाटा माइनिंग कनवेंशनः अवधारणा, विधियां और अनुप्रयोग	27-29 नवम्बर, 2014 चण्डीगढ़	**प्रो. जी. पी. राघव** वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष बायोइंर्फार्मेटिक्स विभाग माइक्रोबियल प्रौद्योगिकी संस्थान चण्डीगढ़
एलाइड स्वास्थ्य पेशेवरों हेतु ग्रांट लेखन पर कार्यशाला	29-30 नवम्बर, 2014 मनीपाल	**डॉ. अरुण मालवीय** आचार्य एवं निदेशक मनीपाल यूनिवर्सिटी मनीपाल
भारतीय निवारक एवं सामाजिक चिकित्साविज्ञान संस्था-उत्तरी क्षेत्र का 18वां वार्षिक सम्मेलन	29-30 नवम्बर, 2014 सोनीपत	**डॉ. मेहर सिंह पूनिया** आचार्य भगत फूल सिंह वूमेंस मेडिकल कॉलेज सोनीपत
कोशिकाविज्ञानियों और आनुवंशिकविदों की संस्था का 12वां सम्मेलन तथा 21वीं शताब्दी में जीववैज्ञानिकों के लिए चुनौतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	22-24 दिसम्बर, 2014 कोल्हापुर	**डॉ. आर. एस. यादव** आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, वनस्पतिविज्ञान विभाग शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर
जनजातीय स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु नवीन मानव विकास इंडेक्स पर राष्ट्रीय कार्याशाला	23-24 दिसम्बर, 2014 मैसूर	**आयोजन सचिव** मैसूर विश्वविद्यालय मैसूर

भारतीय भेषजगुणविज्ञानी संस्था का 47वां वार्षिक सम्मेलन (IPSCON-) गुवाहाटी 2014	27-30 दिसम्बर, 2014 गुवाहाटी	**प्रो. बी. के. बेजबरुआ** आयोजन सचिव गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पाताल गुवाहाटी
मानव विकास हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर 102वां भारतीय विज्ञान कांग्रेस	3-7 जनवरी, 2015 मुम्बई	**डॉ. नरेश चन्द्रा** प्रो-वाइस चांसलर मुम्बई विश्वविद्यालय मुम्बई
शोध विधिविज्ञान - ग्रांट्स के लिए एक एवेन्यू पर सम्मेलन	7-9 जनवरी, 2015 नागपुर	**डॉ. शुभांगी पिंगले** वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी राष्ट्रीय माइनर्स स्वास्थ्य संस्थान नागपुर
तंत्रिकाविज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, NEUROCON-2015	7-10 जनवरी, 2015 मिदनापोर	**प्रो. शशांक चक्रवर्ती** विभागाध्यक्ष जीवरसायनविज्ञान विभाग, स्नातकोतर आयुर्विज्ञान शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान कोलकाता
संक्रामक रोगः शोध एवं व्यवहार में चुनौतियां एवं अवसर पर राष्ट्रीय सम्मेलन	22-23 जनवरी, 2015 अहमदाबाद	**प्रो. (डॉ) जिगना शाह** आचार्य एवं विभागाध्यक्ष फार्मेसी संस्थान अहमदाबाद
जीवविज्ञान में फ्रंटियर्स पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (INCOFIBS-2015)	22-24 जनवरी, 2015 राउरकेला	**डॉ. समीर के. पात्रा** सह आचार्य प्राणिविज्ञान विभाग राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान राउरकेला
फोरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सोः के पूर्वावलोकन - एक वैश्विक प्रयास पर राष्ट्रीय सम्मेलन तथा आयुर्विज्ञान व्यवहार पर विधिक मास्करेड्स पर सी एम ई	23-25 जनवरी, 2015 चेन्नई	**डॉ. पी. सम्पत कुमार** आचार्य एवं विभागाध्यक्ष फोरेंसिक मेडिसिन विभाग श्री रामचन्द्र विश्वविद्यालय चेन्नई
भारत में लघु सीमांत वर्गों के लिए लाइवस्टॉक उत्पादन से जुड़े व्यवहार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा 22वां राष्ट्रीय सम्मेलन	28-30 जनवरी, 2015 आइजॉल	**डॉ. लालनुन्टलुओंगी हमार** आचार्य एवं विभागाध्यक्ष लाइवस्टॉक उत्पादन विभाग, मनाग कॉलेज ऑफ वेटरनेरी साइंस ऐण्ड एनीमल हसबैण्ड्री केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय आइजॉल
हृद्पात और कार्डिया एरिदमिया में ताजा प्रवृत्ति और आनुवंशिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2015 (ICHF-2015)	31 जनवरी - 1 फरवरी, 2015 चण्डीगढ़	**डॉ. अजय बहल** आयोजन सचिव हृद्यरोगविज्ञान विभाग स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़

ई-संसाधन और डाटा विश्लेषण पर शोधकर्ताओं हेतु कार्यशाला	9-14 फरवरी, 2015 चेन्नई	**आयोजन सचिव** ई - रिसोर्सेज़ ऐण्ड डाटा एनालिसिस लॉयला कॉलेज चेन्नई
पब्लिक स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर के परिवर्तन, चुनौतियां एवं भावी मार्ग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा समर स्कूल	16-20 फरवरी, 2015 नई दिल्ली	**डॉ. एन. यू. खान** सम्मेलन निदेशक विभागाध्यक्ष सामाजिक कार्य विभाग जामिया मिलिया इस्लामिया नई दिल्ली
औषध खोज और विकास में नवीन दिशाओं पर 21वां SCBI अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	25-27 फरवरी, 2015 लखनऊ	**डॉ. पी. एस. एस. चौहान** वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान लखनऊ
भारतीय निवारक एवं सामाजिक चिकित्साविज्ञान संस्था का 42वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन	26-28 फरवरी, 2015 लखनऊ	**प्रो. उदय मोहन** आयोजन सचिव सामुदायिक चिकित्साविज्ञान विभाग किंग जॉर्ज मेडिकल युनिवर्सिटी लखनऊ
हृद्वाहिकीय विज्ञान में ताज प्रगति पर 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	10-11 मार्च, 2015 नोएडा	**प्रो. एस.एस. अग्रवाल** प्रो वाइस चांसलर एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा
हृद्पातः प्रगति और संभावनाओं पर इण्डो-कनाडियन संगोष्ठी	13-14 मार्च, 2015 तिरुवनंतपुरम	**डॉ. सूर्या रामचन्द्रन** आयोजन सचिव हृद्वाहिकीय रोग विभाग राजीव गांधी जैवप्रौद्योगिकी केन्द्र तिरुवनंतपुरम

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन

मूल्य (रु.)

1.	**न्युट्रीटिव वैल्यू ऑफ इंडियन फूड्स (1985)** लेखक : सी. गोपालन, बी.वी.रामशास्त्री एवं एस.सी.बालसुब्रमणियन; बी.एस.नरसिंग राव, वाई.जी.देवस्थले एवं के.सी.पन्त द्वारा संशोधित एवं अपडेटेड (1989) पुनर्मुद्रण - (2007, 2011)	60.00
2.	**लो कॉस्ट न्युट्रीशियस सप्लीमेंट्स** लेखक : सी. गोपालन बी.वी.रामशास्त्री, एस.सी.बालसुब्रामणियन, एम.सी.स्वामीनाथन (द्वितीय संस्करण 1975, पुनर्मुद्रण - 2005-2011)	15.00
3.	**मेन्यूस फॉर लो कॉस्ट बैलेन्स्ड डाइट्स ऐण्ड स्कूल लंच प्रोग्रेम्स (सुटेबल फॉर नार्थ इंडिया)** लेखक : एस.जी.श्रीकंटिया, सी.जी.पंडित (द्वितीय संस्करण 1977, पुनर्मुद्रण 2004)	10.00

4.	**सम कॉमन इंडियन रेसिपीज़ ऐण्ड देयर न्युट्रीटिव वैल्यू** लेखक : स्वर्ण पसरीचा एवं एल.एम.रिबेलो (चतुर्थ संस्करण 1977, पुनर्मुद्रण 2006, 2011)	50.00
5.	**न्युट्रीशन फॉर मदर ऐण्ड चाइल्ड** लेखक : पी.एस. वेंकटाचलम् तथा एल.एम.रिबेलो (पंचम संस्करण 2002, पुनर्मुद्रण 2004, 2011)	35.00
6.	**सम थिरैप्यूटिक डाइट्स** लेखक : स्वर्ण पसरीचा (पंचम संस्करण 1996,पुनर्मुद्रण 2004, 2011)	15.00
7.	**न्युट्रिएन्ट रिक्वायरमेण्ट्स ऐण्ड रिकमेंडेड डाइटरी अलाउंसेज़ फॉर इंडियंस** लेखक : बी.एस.नरसिंगा राव, बी. शिवकुमार (प्रथम संस्करण 1990, पुनर्मुद्रण 2008)	85.00
8.	**फ्रूट्स** लेखक : इंदिरा गोपालन तथा एम.मोहन राम (द्वितीय संस्करण 1996, पुनर्मुद्रण 2004, 2011)	35.00
9.	**काउंट व्हाट यू ईट** लेखक : स्वर्ण पसरीचा (1989, पुनर्मुद्रण 2000)	25.00
10.	**डाइट ऐण्ड डायबिटीज़** लेखक : टी.सी.रघुराम, स्वर्ण पसरीचा तथा आर.डी.शर्मा (तृतीय संस्करण 2012)	50.00

उपरोक्त प्रकाशन प्राप्त करने के लिए महानिदेशक, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के नाम से डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा चेक भेजें । बैंक कमीशन तथा डाक व्यय अलग होगा । मनीऑर्डर/पोस्टल ऑर्डर स्वीकार नहीं किए जाएंगे । इस संबंध में और अधिक जानकारी के लिए प्रमुख, प्रकाशन एवं सूचना प्रभाग, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, पोस्ट बॉक्स 4911, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029 से सम्पर्क करें । दूरभाष : 91-11-26588895, 91-11-26588980, 91-11-26589794, 91-11-26589336, 91-11-26588707, (एक्स्टेंशन-228), फैक्स : 91-11-26588662, ई-मेल : headquarters@icmr.org.in, icmrhqds@sansad.nic.in
सम्पर्क व्यक्ति : डॉ रजनी कान्त, वैज्ञानिक 'ई'
ई- मेल : kantr 2001@yahoo.co.in

तकनीकी सहयोग : श्रीमती वीना जुनेजा

आई सी एम आर पत्रिका भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की वेबसाइट www.icmr.nic.in पर भी उपलब्ध है

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्

सेमिनार/संगोष्ठियां/कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए परिषद द्वारा आंशिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, वित्तीय सहायता के लिए निर्धारित प्रपत्र पर पूर्णतया भरे हुए केवल उन्हीं आवेदन पत्रों पर विचार किया जाएगा जो सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला आदि के आरम्भ होने की तारीख से कम से कम चार महीने पूर्व भेजे जाएंगे।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के लिए मैसर्स रॉयल ऑफसेट प्रिन्टर्स,
ए–89/1, नारायणा औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 028 से मुद्रित। पं. सं. 47196/87